Supplement—II

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 3-2020] CHANDIGARH, TUESDAY, JANUARY 21, 2020 (MAGHA 1, 1941 SAKA)

General Review

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वर्ष 2018–19 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 8 जनवरी, 2020

क्रमांक S&T/AAR/2018-19/2020/29.–

(i) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अपनी गतिविधियों के संचालन पर आवर्ती बजट के अन्तर्गत 137.21273 लाख रुपये तथा अनावर्ती बजट के अन्तर्गत 1910.07287 लाख रूपये की राशि खर्च की।

(ii) राज्य के छः वैज्ञानिकों/शोध छात्रों को विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला/सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए 1,53,700/– रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

(iii) विभाग ने राज्य के स्कूल विद्यार्थियों के लिए जिला, जोन व राज्य स्तर पर विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की।

(iv) विभाग ने कॉलेज विद्यार्थियों के लिए भी जिला, जोन व राज्य स्तर पर 'विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं' आयोजित की।

(v) स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान निबन्ध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

(vi) गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार व एन.आई.टी. कुरूक्षेत्र में विज्ञान सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इन सम्मेलनों में प्रख्यात वैज्ञानिकों को विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के लिए बुलाया गया।

(vii) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फैलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत 39,37,185/– रूपये की राशि पी.एच.डी. विद्यार्थियों को वितरण के लिए विश्वविद्यालयों को जारी की गई।

(viii) विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने बारे छात्रवृति स्कीम के अन्तर्गत 2–वर्षीय एम.एस.सी. (प्रथम वर्ष) के 50 विद्यार्थियों एवं 3–वर्षीय बी.एस.सी./4–वर्षीय बी.एस./5–वर्षीय समन्वित एम.एस.सी./एम.एस. (प्रथम वर्ष) के 150 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त पिछले वर्षों के दौरान चुने गए विद्यार्थियों को उनकी योग्यता अनुसार छात्रवृति राशि जारी रखी गई।

(ix) वर्ष 2017 व 2018 तक के हरियाणा विज्ञान रत्न एवं युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार चयनित वैज्ञानिकों को प्रदान किए गए।

(x) प्राणी विज्ञान एवं मत्स्य पालन विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को क्षमता निर्माण कार्यशाला के आयोजन के लिए 30,000/– रूपये की राशि प्रदान की।

(xi) राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए दो एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया।

(xii) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस– 2018 के आयोजन के लिए 10 पॉलिटेक्निक/औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और 21 इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी विभाग को 5.20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

(xiii) हरियाणा विज्ञान प्रतिभा खोज छात्रवृति योजना के अंतर्गत 1,000 छात्रों के चयन के लिए एस.सी.ई.आर.टी., गुरुग्राम ने एन.टी.एस.ई. पहले स्तर की परीक्षा आयोजित की।

(xiv) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, एन.सी.आर. में साइंस सिटी की स्थापना के लिए सिद्धांत रूप में सहमत हुए। साइंस सिटी की स्थापना के लिए स्थान के चयन की प्रक्रिया चल रही थी।

(xv) अम्बाला में उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र (अब विज्ञान केंद्र श्रेणी–II) में एन. सी. एस. एम. द्वारा प्रदान किए गए डिजाइन के अनुसार गेट व चाहर दीवारी के निर्माण का कार्य पीडब्ल्यूडी (बी० एण्ड आर०) हरियाणा के माध्यम से किया गया है।

(xvi) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने राज्य के 17 विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन हेतू, 4,60,000/– रूपये की राशि जारी की।

(xvii) राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान क्लब की स्थापना।

(xviii) खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी पर अंतरराष्ट्रीय ओलम्पियाड 2018 में रजत पदक जीतने के लिए एक विद्यार्थी को 3.00 लाख रुपये और प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया।

(xix) गणित विषय की पढ़ाई में गुणवता सुधार के लिए लगभग 40 अध्यापकों को होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र मुम्बई में प्रशिक्षण दिलवाया गया।

(xx) फरीदाबाद एवं इसके आस–पास के क्षेत्रों में भूमिगत जल की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर वाई.एम. सी.ए. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

(xxi) कल्पना चावला स्मारक तारामण्डल, कुरूक्षेत्र में नियमित शो दिखाए गए एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गई। वर्ष के दौरान 1,37,490 दर्शकों ने तारामण्डल का भ्रमण किया एवं टिकट की बिक्री से 28,59,765/– रुपये का राजस्व अर्जित किया।

(xxii) पादप जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र में साजोसामान से युक्त प्लांट टिशु कल्चर प्रयोगशालाएं हैं। यह केन्द्र टिशु कल्चर तकनीक से विभिन्न प्रजातियों के पौधे विकसित कर रहा है। केन्द्र ने वर्ष के दौरान कुल 3,26,574/– रूपये का राजस्व अर्जित किया।

(xxiii) हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, हिसार ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य किया:–,

- नगर निगम फरीदाबाद की सीमा में मौजूदा नलकूपों की जी० आई० एस० मैपिंग।
- नगर निगम गुरुग्राम के भूमि रिकॉर्ड की पुष्टि और भू–स्थानिक प्रयोगशाला की स्थापना।
- नगर निगम, रोहतक की सीमाओं में सभी कॉलोनियों के लिए कैडस्ट्राल मैपिंग।
- नगर निगम रोहतक में भू–स्थानिक लैब की स्थापना।
- जिला भू स्थानिक अनुप्रयोग के लिए लघु सचिवालय, गुरुग्राम में भू–स्थानिक प्रयोगशाला की स्थापना।
- भिवानी के नगरपालिका क्षेत्र में संपत्ति कर के लिए यूएवी आधारित भू–स्थानिक मानचित्रण।
- नगर निगम, फरीदाबाद में जी.आई.एस. लैब की स्थापना।
- संभागीय आयुक्त कार्यालय, मेवात में जी0आई0एस0 लैब की स्थापना।
- कैडस्ट्राल डेटा को रिकॉर्ड ऑफ राइटस के साथ लिंक करके व्यापार में आसानी के लिए एक वेब पोर्टल का निर्माण।
- हरियाणा के पश्चिमी और दक्षिणी भागों में बाजरा फसल का मानचित्रण और रकबा अनुमान
- 2011–2012 से 2014–2015 की अवधि के लिए भुवन वेब सेवाओं और मोबाईल ऐप का उपयोग करके आई. डब्ल्यू. एम. पी. के वाटरशेड की निगरानी और मूल्यांकन।
- हरियाणा स्थानिक डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना का विकास।
- हाई पावर इलैक्ट्रिकल लाइन का प्रस्तावित मार्ग संरेखण।
- हरियाणा में सरकारी स्कूलों के जी.आई.एस. मानचित्रण।
- हरियाणा में हड़प्पन पुरातत्व स्थलों के जी.आई.एस. मानचित्रण।
- हरयिाणा राज्य के सरकारी आयुर्वेदिक व होमियोपेथिक अस्पताल व डिस्पैन्सरियों का मानचित्रण।

- हरियाणा राज्य के कुओं व वर्षा के पानी के स्थानों का जीआईएस डाटाबेस निर्माण।
- जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग, पंचकूला में जीआईएस सेल की स्थापनां
- हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पंचकूला में जीआईएस सेल की स्थापना।
- उपग्रह, मौसम व जमीनी आधार पर एकत्रित आंकड़ों द्वारा फसलों के उत्पादन का पूर्वानुमान व कृषि सूखा का अध्ययन।
- हरियाणा में धान व गेहूं पुवाल जलाने वाले क्षेत्रों का आंकलन
- भू–सूचना विज्ञान का उपयोग करके समन्वित बागवानी मूल्यांकन और प्रबंधन (चमन चरण–II)
- संयुक्त एस और एल बैंड डेटा का उपयोग करके फसल की निगरानी और जैव भौतिक मापदंडों का अध्ययन।
- करनाल में सूखे कुओं का मानचित्रण।
- किसानों के लिए कृषि यंत्रों हेतु कस्टम हायरिंग सेंटर पर मोबाइल ऐप्लीकेशन।
- हरियाणा में अधिसूचित वन में वन चंदवा घनत्व एवं जंगलों से बाहर के पेड़ों का मानचित्रण।
- हरियाणा में पट्टी वन का डिजिटलीकरण।
- PLPA 1900 की धारा –4 और $\angle$ या 5 के तहत अधिसूचित भूमि का वन आवरण स्थिति।
- सरकारी औद्योगिक प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान के COPA प्रशिक्षकों के लिए ''जिओ– इन्फोर्मेटिक्स एंड रिमोट सेंसिंग'' पर तीन सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सहयोग से भौगोलिक सूचना प्रणाली में एम.टेक. कोर्स।

दिनांक : 06–09–2019

डॉ० अशोक खेमका,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT FOR THE YEAR 2018-19

The 8th January, 2020

No. S&T/AAR/2018-19/2020/29.—

(i) The Science and Technology department incurred an expenditure of Rs. 137.21273 lacs under recurring budget and Rs. 1910.07287 lacs under nonrecurring budget for implementing its activities.

(ii) The financial assistance of Rs. 1,53,700/– was provided to six scientists/research scholars of the state for presenting their paper in the international conference/seminar held abroad.

(iii) The Department organized science quiz competitions for school students at district, zonal and state level.

(iv) The Department also organised science quiz competition for college students at district, zonal and state level.

(v) Science essay writing competitions for school and college students were organised.

(vi) Science conclaves were organized one each at Guru Jhambheshwar University of Science and Technology, Hisar and NIT, Kurukshetra. In these events eminent scientists were invited to interact with the students.

(vii) An amount of Rs. 39,37,185/- was released to the universities under HSCST fellowship programme for onwards disbursement to the Ph. D. students.

(viii) 50 students of 2-Yr. M.Sc. and 150 students of 3-Yr. B.Sc./4-Yr. B.S./5-Yr. Integrated M.Sc./M.S. were selected for scholarships under promotion of Science Education (POSE) scholarship scheme. Besides, the scholarships were renewed as per eligibility of the students selected during the previous years.

(ix) Haryana Vigyan Ratna and Yuva Vigyan Ratna Awards were conferred to the scientists selected for the year 2017 and 2018.

(x) Financial assistance amounting to Rs. 30,000/ - was given to Department of Zoology and Aquaculture, CCS HAU, Hisar for organization of workshop on capacity building on aquaculture.

(xi) Two exposure visits were organized for the meritorious students studying in Govt. schools of the state.

(xii) For Celebration of National Technology Day - 2018 financial assistance amounting to Rs. 5.20 lacs was provided to 10 Polytechnics/ITI and 21 engineering colleges/university department of engineering of the State.

(xiii) For selecting 1,000 students under Haryana Science Talent Search scholarship scheme SCERT, Gurugram conducted NTSE stage-l examination.

(xiv) Ministry of Culture, Govt. of India agreed in principle for setting up of Science City in NCR. Process to finalize the site for Science City was under process.

(xv) Boundary wall alongwith gate complex as per design provided by NCSM has been got constructed through PWD (B&R) Haryana for Sub Regional Science Centre.

(Now Science Centre Category-II) at Ambala.

(xvi) S&T Council released Rs. 4,60,000/- to seventeen universities for organizing workshop/ sensitization programmes on Intellectual Property Rights.

(xvii) Setting up of Science Club in Govt. Sr. Sec. Schools of Haryana State.

(xviii) One student was honored with prize of Rs. 3.00 lac and certificate of appreciation for winning Silver Medal in the "International Olympiad on Astronomy and Astrophysics 2018".

(xix) To improve the quality of mathematics teaching about 40 teachers were trained at Homi Bhaba Centre of Science Education, Mumbai.

(xx) One day workshop on ground water problems and its solutions in Faridabad and surrounding area was organized at YMCA University of Science and Technology, Faridabad.

(xxi) Regular shows and educational activities were organized at the Kalpana Chawla Memorial Planetarium, Kurukshetra. 1,37,490 visitors visited the Planetarium and revenue of Rs. 28,59,765/- was generated through sale of ticket.

(xxii) The Centre for Plant Biotechnology has well equipped plant tissue culture laboratories and it is engaged in the production of elite germplasm of several crops through tissue culture technique. The centre has generated total revenue of Rs. 3,26,5741- lacs.

(xxiii) Haryana Space Application Centre (HARSAC), Hisar has taken up the following major projects during the year:–

- Existing Tube wells GIS mapping in Municipal Corporation Faridabad Limits.
- Validation of Land record of Municipal Corporation Gurugram and establishment of Geospatial lab.
- Cadastral mapping for all colonies in MC limits of Rohtak town.
- Establishment of Geospatial lab at MC Rohtak.
- Establishment of Geospatial lab at Mini Secretariat Gurugram for District Geo spatial Application.
- UAV based Geospatial Mapping for Property Tax in Municipal Area of Bhiwani.
- Setting up of GIS Lab at Municipal Corporation, Faridabad.
- Setting up of GIS Lab at Divisional Commissioner Office, Mewat.
- Ease of Doing Business by linking of cadastral data to Record of Rights and creation of a web portal.
- Bajra Crop Mapping and Acreage Estimation in Western and Southern Parts of Haryana.
- Monitoring and Evaluation of Watershed of IWMP Using Bhuvan Web Services and Mobile App for the Period from 2011-2012 to 2014-2015 ..
- Development of Haryana Spatial Data Infrastructure (HSDI) Project.
- Proposed Route Alignment of High Power Electric Line.
- GIS Mapping of Government Schools in Haryana.
- GIS Mapping of Harappan Archaeological Sites in Haryana.
- Mapping of Govt. Ayurvedic and Homeopathic Hospitals and Dispensaries in Haryana.
- Preparation of GIS Database of Observation Wells and Rainwater Harvesting Sites in Haryana State.
- GIS Cell, Public Health Engineering Department, Panchkula.
- GIS Cell, Haryana State Pollution Control Board, Panchkula.
- Forecasting Agricultural output using Space" Agro-meteorology and Land Based Observation (FASAL) a National Agricultural Drought Assessment and Monitoring System (NADAMS).
- Monitoring Wheat and Rice Stubble Burning all Districts of Haryana (2018).
- Coordinated Horticulture Assessment and Management using geo-inforrnatics (CHAMAN-Phase-II).
- Crop monitoring and biophysical parameters studies using combined S and L-band data (NISAR Programme).
- Mapping of Dry Wells in Karnal, Haryana.
- Mobile Application for Custom Hiring Centers.
- Forest Canopy Density in Notified Forest and Mapping of Trees Outside Forests.
- Digitization of Strip Forests in Haryana.
- Forest Cover Status of Land notified under Section-4 and/or 5 of PLPA 1900.
- Three Weeks Training Program for COPA Instructors of Govt. Industrial Training Institute on "Geo-informatics and Remote Sensing".
- Training and Capacity Building Programmes.
- M. Tech. (Geo-informatics) Programme in Collaboration with G.J.U., S & T, Hisar.

Dated: 06-09-2019.

DR. ASHOK KHEMKA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Science and Technology Department.

57604—C.S.—H.G.P., Chd.